आर.एन.आई. नं. RAJBIL/2010/52404

सेवा सौभाग्य

परम पू. कैलाश जी 'मानव' ● मूल्य » 5 ● वर्ष-12 ● अंक » 138 ● मुद्रण तारीख » 1 जून-2023 ● कुल पृष्ठ » 24

अफ्रीका की धरती पर सेवा का महाकुंभ...

201
दुर्घटना के शिकार भाई-बहिनों को कृत्रिम हाथ-पैर व केलिपर वितरण

650
दिव्यांगों की प्रतीक्षा हुई खत्म

निःशुल्क नारायण चिल्ड्रन एकेडमी

चलो पढ़ाएं कुछ कर दिखाएं

बच्चों के विकास में एक भागीदारी आपकी भी हो

शिक्षा से वंचित आदिवासी क्षेत्र के बच्चों को शिक्षित करने में करें मदद

एक बच्चे का 1 वर्ष का शिक्षा सहयोग	11,000/-
दो बच्चों का 1 वर्ष का शिक्षा सहयोग	22,000/-
तीन बच्चों का 1 वर्ष का शिक्षा सहयोग	33,000/-

संस्थान को **paytm** एवं **UPI** के माध्यम से दान देने हेतु इस **QR Code** को स्केन करें अथवा अपने पेमेंट एप में **UPI Address** डालकर आसानी से सेवा भेजे।

UPI narayanseva@sbi

Donate Now

» 1 जून, 2023 » वर्ष 12 » अंक 138 » मूल्य 05 » कुल पृष्ठ 24

NARAYAN SEVA SANSTHAN
Our Religion is Humanity

सेवा सौभाग्य

Sewa Parmo Dharm
MAKE GIVING YOUR HABIT

मुख्यालय : हिरण मगरी, सेक्टर-4, उदयपुर (राज.)-313002, फोन नं. : +91-294-6622222, वाट्सऐप : +91-7023509999
Web » www.narayanseva.org E-mail » info@narayanseva.org

पाठकों के लिए इस माह

09

06

11

14

12

संपादक मंडल

मार्ग दर्शक » **कैलाश चन्द्र अग्रवाल** » सम्पादक **प्रशान्त अग्रवाल** » सहयोग **विष्णु शर्मा हितैषी, भगवान प्रसाद गौड़** » डिजाइनर **विरेन्द्र सिंह राठौड़**

Seva Soubhagya Print Date 1 June, 2023 Registered Newspaper No. RAJBIL/2010/52404 Postal Reg. No. RJ/UD/29-146/2023-2025. Despatch Date 1st to 7th of every month, Chetak Circle Post Office, Udaipur, Published by Sole-Owner, Publisher and Chief Editor Prashant Agarwal from Sevadham, Hiran Magri, Sector-4, Udaipur - 313002 (Raj) Printed at Newtrack Offset Private Limited, Udaipur. Total pages- 24 (No. of copies printed 1,50,000) cost- Rs.5/-

'सेवक' प्रशान्त भैया
अध्यक्ष

जीवन बहता पानी

हमारे पास जो है, उसका कुछ अंश दीन-दुखियों, वंचितों, रोते-बिलखते एवं लाचार-अपाहिजों की सहायता के लिए खर्च किया जाए। यही दान है। दुःखी बंधु-बहिनों की सेवा ही ईश्वर की शाश्वत प्रार्थना है।

मनुष्य का जीवन बहते पानी जैसा है। वह आगे ही बढ़ता है, पीछे नहीं लौटता। बीता हुआ पल हजार मिन्नत के बाद वापस नहीं मिल पाएगा। समय के पहिए घूमने के साथ ही परिवर्तन होता रहता है। लेकिन जो अपरिवर्तित है, वह है- धर्म। धर्म का सार है - दान और दान का मूल है प्रेम, स्नेह और करूणा। हमारे पास जो है, उसका कुछ अंश दीन-दुखियों, वंचितों, रोते-बिलखते एवं लाचार-अपाहिजों की सहायता के लिए खर्च किया जाए। यही दान है। दुःखी बंधु-बहिनों की सेवा ही ईश्वर की शाश्वत प्रार्थना है। क्योंकि हमारे पास आज जो कुछ भी है वह है तो परमात्मा का ही। क्यों कि इसे न हम जन्म के साथ लेकर आए थे और न ही आयु की पूर्णता के बाद इसे साथ लेकर जाने की हममें सामर्थ्य होगी। मनुष्य खाली हाथ आया है और खाली हाथ ही लौटना है। ऐसे में क्यों न जरूरतमंदों की हितार्थ अपने अर्जित धन का उपयोग कर जीवन को धन्य कर लिया जाए। श्रीवस्ती के सन्तानहीन एक धनाढ्य की मृत्यु के बाद कौशल नरेश ने नियमानुसार उसका सारा धन राजकोष में जमा करने का आदेश दिया। धन इतना था कि सप्ताह भर गाड़ियों में लदकर आता रहा। नरेश भी उसके हिसाब-किताब में इतने उलझे कि भगवान बुद्ध के नियमित दर्शन की श्रृंखला भी खण्डित हो गई। काम पूरा होने के बाद भगवान बुद्ध के पास पहुंचे। कुछ दिन की अनुपस्थिति के कारण बुद्ध ने उनसे कुशल-क्षेम पूछी। नरेश ने अपनी व्यस्तता की बात बता दी। बुद्ध ने राजा को बताया कि मृतक श्रेष्ठी ने पूर्व जन्म में जरूरतमंदों को अपनी सामर्थ्य के अनुसार दान दिया था। जिससे इस जन्म में उसे काफी धन मिला। पूर्व जन्म में उसने दान तो दिया पर दान देकर पछताने भी लगा। उसके बाद वह कृपण भी हो गया। जिसका परिणाम उसे इस जन्म में एक सन्तानहीन पिता के रूप में भुगतान पड़ा। बुद्ध आगे बोले- महाराज! वे लोग बुद्धिहीन होते हैं जो धन-सम्पदा पाकर बजाय परमार्थ की तलाश के उस पर गर्व करते हैं, किसी की सहायता से हिचकते हैं या सहायता कर बाद में पछताते हैं। दान पछतावे का नहीं जीवन को धन्य बनाने का मार्ग है। तभी कौशल नरेश ने महात्मा बुद्ध के समक्ष नतमस्तक होते हुए उस श्रेष्ठी के राजकोष में जमा सम्पूर्ण धन को राज्य की जनता के हित में लगा देने का संकल्प किया। हमें भी जीवन में अपना व गृहस्थी का गुजारा करने के साथ दान की भी बीज बोना चाहिए जो आगे जाकर वटवृक्ष बनकर न केवल अपनों को बल्कि सम्पूर्ण समाज को भी सुखी बना सके। जीवन बहते पानी का रेला है। इससे अधिक से अधिक लोगों को तृप्त कर अपने जीवन को सार्थक बनाएं। जो मनीषी सेवा कार्यों में अपने धन का उपयोग करते हैं वे सचमुच ईश्वर के दूत हैं। संस्थान के माध्यम से दीन-दुःखियों व दिव्यांगों की जिंदगी को आसान बना रहे आपश्री का समाज सदैव आभार मानेगा।

देने में ही खुशी

देश में आज असंख्य लोग गरीब, शारीरिक रूप से अक्षम और निःशक्त हैं, जिन्हें सशक्त बनाने की जरूरत है। उन्हें भी सामान्यजन की तरह जिन्दगी को भरपूर जीने का मौका मिलना चाहिए। वे भी समाज और राष्ट्र के विकास में अपना योगदान सुनिश्चित करना चाहते हैं।

पूज्य कैलाश जी 'मानव'
संस्थापक चेयरमैन

ज़िंदगी भी न जाने कितने मोड़ से गुजरती है, हर मोड़ पर एक नया सवाल खड़ा मिलता है। ढूंढते रहते हैं हम उन सवालों के जवाब जिंदगीभर और जवाब मिल भी जाता है तो आगे सवाल बदल जाते हैं। इसी कशमकश में उम्र बीत जाती है। लेकिन वो लोग खुशनसीब होते हैं, जिन्हें सवालों के जवाब स्वतः मिल जाते हैं और उनकी जिन्दगी में नए रंग उभर आते हैं। दरअसल जो व्यक्ति दूसरों का हित चिंतन करते हैं, दूसरों के कठिन समय में उनकी मदद करते हैं, उनके लिए जिन्दगी का हर मोड़ सुख और सन्तोषकारी होता है। जरूरत बस केवल इस बात की है कि हम देना सीखें, उसमें खुशी महसूस करें। नदी, तालाब, पेड़-पौधे, पर्वत-पठार, पशु-पक्षी सभी की प्रवृत्ति देने की ही है। यही वजह है कि उन्हें पूजनीय माना जाता है। बंधुओं! देश में आज असंख्य लोग गरीब, शारीरिक रूप से अक्षम और निःशक्त हैं, जिन्हें सशक्त करने की जरूरत है। उन्हें भी सामान्यजन की तरह जिन्दगी को भरपूर जीने का मौका मिलना चाहिए। वे भी समाज और राष्ट्र के विकास में अपना योगदान सुनिश्चित करना चाहते हैं।हमें उनकी दुनिया में झांकने और उन्हें प्रोत्साहित करने का अपना कर्तव्य पूरा करना होगा। आज समाज में ऐसे श्रेष्ठीजन और प्रतिष्ठान हैं भी, जो इस दिशा में सजग हैं। वे परमपुण्य के भागी हैं। वे दूसरों को देना जानते हैं, उसका अर्थ समझते हैं। यही कारण है कि उन्हें उनका मनचाहा भी मिल जाता है। एक दिन शिक्षक ने कक्षा में विद्यार्थियों को दूसरों को देने से अपने जीवन में आनंद के महत्व को समझाने की दृष्टि से कहा कि जितने तुम हो उतने ही समान रंग के गुब्बारे कक्षा के दाएं कोने में रखे हैं। सब वहां जाओ, एक-एक गुब्बारा लेकर उस पर अपना नाम लिख दो। विद्यार्थियों ने वैसा ही किया। बाद में शिक्षक ने सभी गुब्बारे पास के कक्ष में रखवा दिए। विद्यार्थियों से कहा कि जाओ, उस कक्ष से अपना-अपना नाम लिखा गुब्बारा लेकर आओ किन्तु इसमें पांच मिनट से अधिक समय नहीं लगना चाहिए। विद्यार्थी कक्ष में गए और अपने-अपने नाम के गुब्बारे के लिए छीना-झपटी करने लगे। कोई भी निर्धारित से अधिक समय बाद तक भी अपना गुब्बारा न पा सका। शिक्षक ने उन्हें वापस बुलाया और कहा अब फिर से जाओ और जो भी गुब्बारा उठाओ उसे उस पर लिखे नाम वाले को लौटा दो। पांच मिनट का भी समय न लगा और सभी को अपने नाम का गुब्बारा मिल गया। शिक्षक ने कहा कि हासिल करने की प्रवृत्ति छोड़ें, देने का स्वभाव बनाएं। फिर सबकुछ आसान होगा और दूसरों को भी कठिनाई से मुक्ति मिल जाएगी। ठीक उसी तरह जैसे तुम्हारे हाथ आया गुब्बारा उस पर लिखे नाम के विद्यार्थी को देकर और उनसे अपने नाम का गुब्बारा प्राप्त कर तुमने खुशी हासिल की।

सूर्य नमस्कार कर बनें ऊर्जावान

योग का अर्थ केवल कुछ शारीरिक क्रियाएं नहीं हैं। यह एक साधना है, जो हमें अपनी सर्वश्रेष्ठ क्षमता तक पहुंचने में मदद करता है। अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस (21 जून) के संदर्भ में योगासन पर प्रस्तुत विशेष आलेख।

सूर्य नमस्कार ऐसा योगासन है, जिसे करने के बाद दूसरे आसानों की जरूरत नहीं होती। इसे 4-5 राउंड से शुरू कर अधिकतम 20 बार तक कर सकते हैं। इसको 8-10 मिनट करके भी स्वस्थ रहा जा सकता है। इसके 12 चरण हैं, लेकिन मुख्य आठ आसन हैं। हस्तउतासन, पादहस्तासन और अश्व संचालनासन को दोबारा करने होते हैं। जानते हैं इनके फायदों के बारे में-

लाभ| वजन में तेजी से कमी, शरीर में लचीलापन, पाचन और पोश्चर में सुधार, हड्डियों का मजबूत होना, तनाव से बचाव, अनिद्रा में राहत, बीपी नियंत्रित रहता, हार्मोन संबंधी रोग नहीं होते, मन एकाग्र होता, महिला संबंधी रोग नहीं होते, त्वचा व बाल भी स्वस्थ होते हैं।

कौन न करें| 3 माह से अधिक की गर्भवती महिला, माहवारी के दौरान, हर्निया, हाई बीपी- हृदय के रोगी के साथ जिनके कमर, रीढ़ की हड्डी व पीठ में दर्द है, उन्हें करने से बचना चाहिए। शुरू करने से पहले विशेषज्ञ से राय लें।

आसन व उनका प्रभाव

प्रणामासन– इसको करने से शरीर की मांसपेशियों को आराम और मन को शांति मिलती हैं।

हस्त उत्तानासन – इसमें कंधा, गर्दन, छाती और पेट के हिस्से की स्ट्रेचिंग होती है। व ऊर्जा ऊपर जाती है।

पाद हस्तानासन – पेट से जुड़ी मांसपेशियों की स्ट्रेचिंग होती है। दिमाग को खून अधिक पहुंचता है।

अश्व संचालनासन – पेट, शरीर का ऊपरी हिस्सा और स्पाइन में खिंचाव होता, बीमारियों से बचाव।

पर्वतासन – हाथ, पैरों, पिंडलियों व स्पाइन मसल्स में खिंचाव से आराम मिलता है।

दंडासन – स्पाइन, कंधा व छाती को मजबूती मिलती है। इससे आंतरिक अंगों की क्षमता भी बढ़ती है।

अष्टांग नमस्कार – छाती की क्षमता बढ़ती और हाथ-पैर मजबूत होते हैं। श्वसन क्रिया बेहतर होती हैं।

भुजंगासन – तनाव से आराम मिलता है। स्पाइन, छाती और पेट के अंगों की क्षमता बढ़ती है।

गरीब के दान की महिमा

गुजरात की प्रसिद्ध राजमाता मीनाल देवी बड़ी उदार थीं। वह सवा करोड़ सोने की मोहरें लेकर सोमनाथजी का दर्शन करने गयी। वहाँ जाकर उन्होंने स्वर्ण-तुलादान आदि किये। माता की यात्रा के पुण्य-प्रसंग में पुत्र राजा सिद्धराज ने प्रजा का लाखों रुपये का लगान माफ कर दिया। इससे मीनाल के मन में अभिमान आ गया कि मेरे समान दान करने वाली जगत में दूसरी कौन होगी! रात्रि को भगवान सोमनाथजी ने स्वप्न में कहा - 'मेरे मन्दिर में एक बहुत गरीब स्त्री दर्शन करने आयी है, तू उससे उसका पुण्य माँग।'

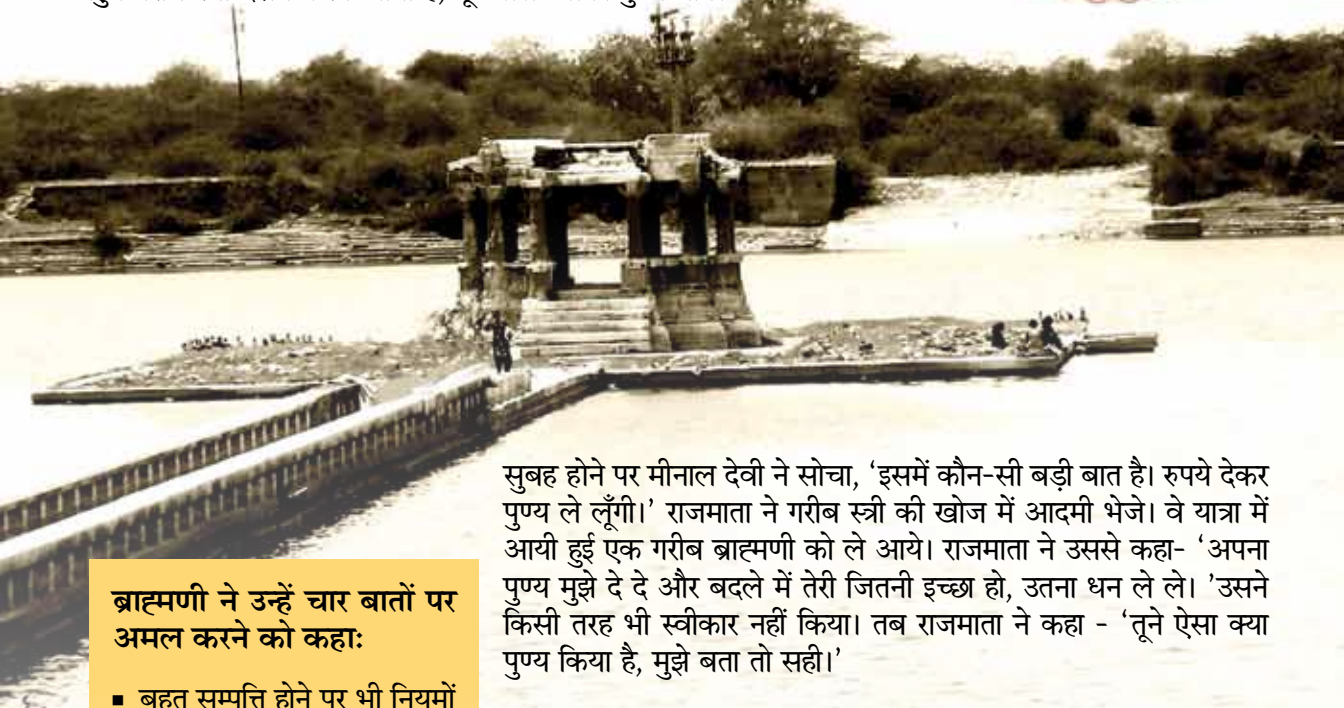

सुबह होने पर मीनाल देवी ने सोचा, 'इसमें कौन-सी बड़ी बात है। रुपये देकर पुण्य ले लूँगी।' राजमाता ने गरीब स्त्री की खोज में आदमी भेजे। वे यात्रा में आयी हुई एक गरीब ब्राह्मणी को ले आये। राजमाता ने उससे कहा- 'अपना पुण्य मुझे दे दे और बदले में तेरी जितनी इच्छा हो, उतना धन ले ले।' उसने किसी तरह भी स्वीकार नहीं किया। तब राजमाता ने कहा - 'तूने ऐसा क्या पुण्य किया है, मुझे बता तो सही।'

ब्राह्मणी ने कहा - 'मैं घर से निकलकर सैकड़ों गाँवों में भीख माँगती हुई यहाँ तक पहुँची हूँ। कल तीर्थ का उपवास था। आज किसी पुण्यात्मा ने मुझे जैसा-तैसा थोड़ा-सा बिना नमक का सत्तू दिया। उसके आधे हिस्से से मैंने भगवान सोमेश्वर की पूजा की। आधे में से आधा एक अतिथि को दिया और शेष बचे हुए से मैंने पारण किया। मेरा पुण्य ही क्या है ! आप बड़ी पुण्यवती हैं: आपके पिता, भाई, स्वामी और पुत्र - सभी राजा हैं। यात्रा की खुशी में आपने प्रजा का लगान माफ करवा दिया, सवा करोड़ मोहरों से शंकर जी की पूजा की। इतना पुण्य कमाने वाली आप मेरा अल्प-सा दीखने वाला पुण्य क्यों माँग रही हैं? मुझ पर क्रोध न करें तो मैं निवेदन करूँ।'

राजमाता ने क्रोध न करने का विश्वास दिलाया। तब ब्राह्मणी ने कहा-पुण्य मांगा या खरीदा नहीं जाता, उसे अर्जित करना पड़ता है।

ब्राह्मणी ने उन्हें चार बातों पर अमल करने को कहा:

- बहुत सम्पत्ति होने पर भी नियमों का पालन करना,
- शक्ति न होने पर भी सहन-करना
- युवावस्था में व्रतों को निबाहना
- दरिद्र होकर भी दान करना-ये चार बातें थोड़ी होने पर भी इनसे बड़ा लाभ हुआ करता है।

ब्राह्मणी की इन बातों से राजमाता मीनाल देवी का अभिमान नष्ट हो गया। भगवान शंकर ने ही ब्राह्मणी को उसके पास भेजा था।

रागिनी को मिले जीने के सुर

मैं अब आराम से चल-फिर और अपने सभी काम कर लेती हूँ। पढ़-लिखकर अपने सपनों को पूरा करूंगी।

गोपालगंज (बिहार) में मजदूरी कर पांच सदस्यों के परिवार की जरूरतें पूरी करने वाले छोटेलाल साह एवं संध्या देवी के घर बेटी का जन्म हुआ। तब परिवार खुशी से झूम उठा। कुछ महीनों तक सब ठीक था परन्तु उम्र बढ़ने के साथ बेटी का दांया पांव घुटने से मुड़ता चला गया। परिवार समझ ही न पाया अचानक उत्पन्न इस शारीरिक विकृति को। मीठा बोलने वाली बेटी का नाम रागिनी रखा गया था। अब उसके भविष्य की चिंता को लेकर सब परेशान थे। बहुत जगहों पर दिखाया पर कहीं से भी संतोषजनक आश्वासन अथवा उपचार नहीं मिला। आर्थिक स्थिति कमजोर होने से किसी बड़े अस्पताल में इलाज भी संभव नहीं था। रागिनी की पीड़ा दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही थी। अब वह 14 वर्ष की थी। स्कूल आने-जाने, उठने-बैठने, चलने आदि में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। एक वर्ष पूर्व 5 जून 2022 में टी.वी के माध्यम से नारायण सेवा संस्थान के निःशुल्क क्लब फुट सुधार ऑपरेशन एवं सेवा कार्यों की जानकारी मिली जो अंधेरे में प्रकाश देने वाली साबित हुई। संस्थान आने पर डॉक्टर द्वारा जांच कर दांए पांव का ऑपरेशन और विजिंग की गई। उसके ठीक दो माह बाद एक विशेष 'इल्याजारो' नामक उपकरण द्वारा (पैर में रिंग लगाकर) उपचार शुरू किया गया। करीब डेढ़ साल के सफलतापूर्वक उपचार के बाद अब रागिनी का टेढ़ा पांव सीधा हो गया है। उसे खुशी के साथ जीने के सुर मिल चुके हैं व माता-पिता भी खुश हैं। वे कहते हैं कि संस्थान ने भारी चिंता के बोझ से राहत दे दी। ईश्वर भला करें उन दानी महानुभावों का जो संस्था रूपी इस सेवा वृक्ष को सींच रहे हैं।

खुशियों ने दी दस्तक...

श्रेष्ठ को केलिपर के सहारे आराम से खड़ा होते एवं कुछ कदम चलते देख माता-पिता और परिजनों के आंखों से खुशी के आंसू निकल आए। वे बताते हैं कि संस्थान की वजह से ही हमारी सूनी होती ज़िन्दगी में खुशियों ने दस्तक दी है।

पहली संतान के होने से परिवार में खुशियों का माहौल था। परन्तु अगले कुछ ही पलों में वह दुःख में बदल गया। छत्तीसगढ़ के सकोला गांव निवासी संदीप गुप्ता और पूनम गुप्ता ने जन्मजात कमजोर पुत्र को अस्पताल में दिखाया जहां से पता चला कि पोलियो ग्रस्त होने से बच्चे के दोनों पैर पतले और कमजोर हैं। यह सुन उन पर दुःखों का पहाड़ टूट पड़ा। डॉक्टर के कहे मुताबिक श्रेष्ठ नामक इस बच्चे का 2 वर्ष का होने तक इलाज चला पर न तो वह खड़ा हो पाता और न घुटनों के बल ही आगे बढ़ने में समर्थ था। माता-पिता ने उपचार हेतू आस-पास के अन्य अस्पतालों में भी दिखाया पर कहीं से भी उसके पावों पर खड़ा होने का आश्वासन नहीं मिला। माता-पिता को उसके भविष्य की चिंता दिन-रात खाए जा रही थी। एक दिन टीवी में नारायण सेवा संस्थान के निःशुल्क पोलियो ऑपरेशन एवं अन्य सेवा प्रकल्पों के बारे में प्रोग्राम देखा तो चिंतित माता-पिता की आंखें चमक उठी। उन्हें उम्मीद की एक किरण दिखाई दी। वे श्रेष्ठ को लेकर संस्थान आए। जहां डॉक्टरों ने दोनों पैरों की पूरी जांच के बाद बारी-बारी दोनों पैरों का ऑपरेशन किया। ऑपरेशन के बाद करीब 6 बार विजिंग हुई। मार्च 2023 में पांवों का माप लेकर विशेष केलिपर्स तैयार कर पहनाए गए।

समर्थ हुए श्रीपाल

जन्म के दो वर्ष बाद बुखार आया जो ताउम्र पोलियो का दंश दे गया। बांया पैर पतला और घुटने से टेढ़ा होता गया। बचपन की उमंग काफूर हो गई, माँ - बाप के सपने बिखर गए। यह आपबीती लखीमपुर(उत्तर प्रदेश) जिले के खैरी गांव निवासी श्रीपाल मिश्रा की है। पिता शिवदत्त मिश्रा खेती कर सात सदस्यों के परिवार का भरण-पोषण बमुश्किल कर पाते हैं। एक तरफ गरीबी तो दूसरी ओर बेटे की दिव्यांगता ने उनकी रातों की नींद ही उड़ा रखी थी। कर्ज लेकर एक बड़े अस्पताल में ऑपरेशन भी करवाया। अस्पताल से घर लौटने के कुछ हफ्तों बाद पता चला कि स्थिति में कोई सुधार नहीं है। इसके बाद भी उपचार की हर संभव कोशिश की पर सफलता नहीं मिली। एक दिन, उन्हें सोशल मीडिया के माध्यम से उदयपुर स्थित नारायण सेवा संस्थान में निःशुल्क पोलियो सर्जरी के बारे में जानकारी मिली। संस्थान से संपर्क के बाद उन्हें श्रीपाल के बेबस जीवन में नई सुबह की किरण दिखाई दी। वे श्रीपाल को लेकर 11 नवम्बर 2022 को संस्थान आए और पूरी जांच के बाद यहां पैर का ऑपरेशन हुआ। करीब एक माह के बाद 7 बार लगातार विजिंग से उन्हें वाकई आराम मिला। अब केलिपर के सहारे श्रीपाल आराम से चलते ही नहीं बल्कि अपने दैनंदिन काम भी स्वयं कर लेते हैं। उपचार के दौरान संस्थान में इन्होंने तीन माह का निःशुल्क सिलाई प्रशिक्षण भी लिया, ताकि आत्मनिर्भर बन अपने परिवार का सहारा बन सकें। वे बताते हैं कि संस्थान ने मुझे जीवन संघर्ष के लिए हौसला तो दिया ही,पैरों पर खड़ा करने के साथ ही रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भर भी बना दिया। जिससे मैं अब खुद को आगे का रास्ता बनाने के लिए समर्थ पा रहा हूँ।

सशक्त समाज का संकल्प पूर्ण कर रही नारायण सेवा: शकुंतला रावत

समाज को सशक्त और निरोगी बनाने में नारायण सेवा संस्थान महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह बात राजस्थान सरकार की उद्योग एवं देवस्थान मंत्री शकुंतला रावत ने 17 अप्रैल को 101 दिव्यांगजन के निःशुल्क शल्य चिकित्सा शिविर का उद्घाटन करते हुए कहीं। दिव्यांगजन को उनके पांवों पर खड़ा कर ईश्वरीय सेवा को साकार कर रहे संस्थान में देश के विभिन्न राज्यों से निःशुल्क सर्जरी एवं कृत्रिम अंग के लिए आए दिव्यांग भाई-बहिनों की आपबीती सुनकर आंखे नम हो जाती हैं, उनकी पीड़ा को अपना समझकर यह संस्थान उनकी जिंदगी में खुशी और सुकून की इबारत लिख रहा है। देवस्थान मंत्री ने संस्थान द्वारा दिव्यांगजन को दिए जा रहे रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षणों का भी अवलोकन किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि श्रम कल्याण बोर्ड के उपाध्यक्ष (राज्यमंत्री) जगदीशराज श्रीमाली, गांधी दर्शन समिति के जिला संयोजक पंकज शर्मा, पार्षद गिरीश भारती और ओएसडी सुमित तिवारी थे। संस्थान अध्यक्ष सेवक प्रशान्त भैया ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए उन्हें बताया कि संस्थान अब तक 4.50 लाख जन्मजात दिव्यांगों के ऑपरेशन तथा 32 हजार से अधिक कृत्रिम अंग प्रदान कर उन्हें अपने पांवों पर खड़ा करने में सफल हुआ है। इसमें अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी का उपयोग होता है। उन्हें संस्थान के गुरुकुल की भी जानकारी दी गई। आभार ज्ञापन निदेशक देवेन्द्र चौबीसा व संयोजन ऐश्वर्य त्रिवेदी ने किया।

दर ए सलाम, नेरोबी व मेरु के 650 दिव्यांग लाभान्वित

संस्थान ने सर्वे भवन्तु सुखिनः की भावना से अफ्रीका सेवा टूर-2023 का 11 से 23 अप्रैल तक आयोजन किया। इस दौरान दार-ए-सलाम (तंजानिया) मेरु और केन्या में तीन दिव्यांग सेवा शिविर संपन्न हुए। स्थानीय समाज सेवियों के सहयोग से संस्थान ने दार-ए-सलाम के कृत्रिम अंग वितरण शिविर में दुर्घटना के शिकार 201 दिव्यांगों को कृत्रिम हाथ-पैर व कैलिपर लगाए। वहीं मेरु व केन्या में मॉड्यूलर आर्टिफिशियल लिम्ब माप शिविर में क्रमशः 156 और 302 दिव्यांगों को कृत्रिम अंगों के लिए चिन्हित करते हुए माप लिया। जिनके कुछ दिनों बाद पुनः शिविर लगाकर कृत्रिम हाथ - पैर लगाए जायेंगे। इन शिविरों में संस्थान की दस सदस्यीय टीम ने सेवाएं दी। जिसमें रोहित तिवारी, तरुण नागदा, महिम जैन, अनिल पालीवाल भी शामिल थे। शिविर में अफ्रीका सरकार के मंत्रियों ने शिरकत कर संस्थान की सेवाओं को सराहा। संस्थान हर वर्ष अफ्रीका में शिविर लगाकर दिव्यांगों को लाभान्वित करता आ रहा है। शिविरों के संयोजक श्री भरत भाई परमार और श्री रविश कावड़िया थे।

NARAYAN SEVA SANSTHAN
UDAIPUR
NARAYAN SEVA SANSTHAN
UDAIPUR

UDAIPUR

P-TANZANIA
6th, 2023
LTD
UDAIPUR

कृत्रिम अंग पाकर गतिमान हज़ारों ज़िन्दगियां

आपके अपने संस्थान ने अप्रेल माह में देश के अनेक नगरों में दिव्यांगों की सहायतार्थ निःशुल्क अत्याधुनिक कृत्रिम अंग (माप/वितरण) एवं सहायक उपकरण वितरण शिविर लगाए। जिनमें 3 हजार से अधिक भाई-बहिन लाभान्वित हुए। उनका कहना है कि उम्मीद की इस किरण ने उनके पूरे परिवार को जगमगा दिया।

कृत्रिम अंग माप लेते हुए

ऑपरेशन चयन प्रक्रिया

सहायक उपकरण वितरण

शिविर सानिध्य

प्रयागराजः श्री नन्दलाल जी गुप्ता केबिनेट मंत्री, श्री के.पी. सिंह जी व मुकेश जी **अमरावतीः** संत श्री संतोष महाराज, श्री चन्द्रकांत जी, श्री हरिश कुमार जी **दतियाः** कथा व्यास श्री रमाकांत जी महाराज, श्री प्रणव जी ढेगुला **चंडावलः** श्री तकदीर सिंह जी, श्री माणक जी सिलोड़ा **फिरोजाबादः** सुनीता जी बंसल, मनीष जी असीजा **पालीः** श्री अर्जुन जी मेहता व श्री वर्धमान जी भंडारी **सूरतः** श्री जीवन भाई रमानी, श्री नरेन्द्र जी अग्रवाल **अलीगढ़ः** श्री राजीव जी अग्रवाल, डॉ. अशुंल सोम, डॉ. रचना गुप्ता **बारांः** श्री हितेश बगा, श्री पवन मित्तल **आबूरोडः** श्री अविनाश जी शर्मा, श्री अमित जैन **अमलनेरः** संत श्री सखाराम जी महाराज, श्री पवन जी मित्तल **सुमेरपुरः** श्री शैलेन्द्र गोयल, श्री अर्जुन अग्रवाल **झुंझुनूः** श्री अमरनाथ जांगीड़, श्री प्रदीप पाटोदिया **तारानगरः** श्री नृसिंह सहारण, श्री सुरेश लम्बोरिया **चैन्नईः** श्री पदमजैन, श्रीमती निर्मला जैन, श्री पद्मजी रांका, श्री केसर सिंह राजपुरोहित **गोरखपुरः** श्री देवनारायण जी, श्री राम प्रकाश जी गुप्ता **हनुमानगढ़ः** श्री विक्रम सिंह जी शेखावत, श्री कालूराम जी **जिन्तुरः** श्री गुलाब जी राठी, श्रीमती मंजू जी दर्डा **फरीदाबादः** श्री आनन्द जी गुप्ता, श्री सुनील जी अग्रवाल।

शिविर में लाभान्वित दिव्यांग भाई-बहिन

रजिस्ट्रेशन	3060	ट्राई साईकिल	174
कृत्रिम अंग	998	व्हील चेयर	48
केलीपर	774	श्रवण यंत्र	77
ऑपरेशन चयन	115	बैसाखी	28

संस्थान द्वारा आने वाले सेवा कार्यक्रम 2023

25 जून,23 22 जुलाई,23	श्रीनाथ जी दर्शन व भामाशाह सम्मान समारोह	प्रातः 11 बजे	उदयपुर
16 जुलाई,23	दिव्यांग शल्य चिकित्सा जांच, चयन एवं नारायण लिम्ब माप शिविर	प्रातः 10 बजे	बैंगलोर

कृत्रिम अंग वितरण

रख हौसला रास्ता स्वतः बनता जाएगा

संस्थान के सेवा महातीर्थ परिसर में 16 से 22 अप्रैल तक संस्थान अध्यक्ष सेवक प्रशान्त भैया ने 'अपनों से अपनी बात' कार्यक्रम के तहत देश के विभिन्न भागों से निःशुल्क ऑपरेशन के लिए आए दिव्यांगजन व उनके परिजनों से संवाद किया। जिसका 'आस्था' चैनल से देशभर में प्रसारण हुआ।

जब खुद में हिम्मत, भरोसा और हौसला हो तो रास्ता खुद-ब-खुद बन जाता है। कोई भी काम छोटा या बड़ा नहीं होता बल्कि मंजिल तक पहुंचना महत्वपूर्ण होता है। उन्होंने कहा कि यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप ने इसके लिए कितनी मेहनत और लग्न से काम किया है। दिव्यांग युवाओं को प्रेरणा देते हुए उन्होंने कहा कि दिव्यांगजन में टैलेंट की कोई कमी नहीं है। वे अगर मजबूत इरादों के साथ जुटें तो कुछ भी हासिल कर सकते हैं। समाज को भी इनके प्रति नजरिया बदलने की जरूरत है। संस्थान दिव्यांगजन को दानवीरों के सहयोग से शारीरिक रूप से सक्षम बनाने के लिए ऑपरेशन और कृत्रिम अंग तो उपलब्ध करवा ही रहा है। साथ ही मानसिक मजबूती और आगे बढ़ने के लिए कॉरियर गाइडेंस भी दे रहा है। दिव्यांगों की जिज्ञासाओं का भी उन्होंने समाधान किया। अक्षय तृतीया महोत्सव पर उन्होंने कहा कि हम दो हमारे दो के सोच से ऊपर उठकर समाज के लिए सोचें। सेवा से बड़ी कोई चीज नहीं हो सकती। सच्चे मन से की गई सेवा कभी निष्फल नहीं होती और न उसका क्षय होता है। सेवा केवल धन से नहीं बल्कि तन-मन से भी की जा सकती है। किसी के चेहरे पर मुस्कान लाना, समस्याओं से घिरे व्यक्ति को सही सलाह देना भी सेवा है। संस्थान भूखों को भोजन, प्यासे को पानी के लक्ष्य के साथ दिव्यांगों को आत्मनिर्भर व सशक्त बनाकर उनके जीवन में अक्षय आनंद लाने का प्रयास कर रहा है। इस दौरान रोगियों के परिजनों ने भी सामर्थ्य के अनुसार सेवा का संकल्प लिया।

रेलो पावर इंडिया ने दी एम्बुलेंस

सामाजिक सरोकर में सदैव आगे रहने और सेवा को धर्म मानकर संचालित रेलो पावर इंडिया प्राइवेट लि. गुरूग्राम ने 19 अप्रैल को नारायण सेवा संस्थान को मानेसर (गुरूग्राम) स्थित अपने परिसर में दिव्यांगजन की चिकित्सा में सहायता की दृष्टि से एक एम्बुलेंस भेंट की। इसे एक सादे समारोह में कम्पनी के अध्यक्ष श्री फैबियो पसुएलो, निदेशक श्री ऑस्कर टेम्पेरा, श्री अनिल मुंजाल, श्री एंड्रिया कैटिवली, श्री ए. पोलिकेंटे व सीईओ श्री ध्यानच' ने संस्था प्रतिनिधियों को भेंट किया। कम्पनी अध्यक्ष ने कहा कि रेलो पावर इंडिया ने सदैव कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीपीआर) को उच्च प्राथमिकता दी है। श्री अनिल मुंजाल ने कहा कि एक जिम्मेदार बिजनेस लीडर के रूप में हमने सामुदायिक विकास के कार्यों में अपने योगदान को सुनिश्चित किया है। उल्लेखनीय है कि रेलो पावर इंडिया आरपीएस-एसपीए इटली की एक सहायक कम्पनी है जो अबाध पावर सप्लाई (यूपीएस) सिस्टम में विश्व में अग्रणी हैं। संस्थान ने कम्पनी के इस सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया है। इस एम्बुलेंस से दूर दराज गांवों से दिव्यांगजन को सर्जरी के लिए लाने व पुनः उन्हें उनके घर तक पहुंचाने में मदद मिलेगी।

पीड़ितों की सेवा भी आराधना-वर्धमान सागर जी

जीवन का मूल उदार दृष्टिकोण, आत्मीयता, वसुधैव कुटुंबकम और अहिंसा परमो धर्म ही है, जिसका अनुसरण कर व्यक्ति स्वस्थ सुसंस्कृत एवं सहिष्णु समाज की रचना में योगदान दे सकता है। यह बात 12 मई को दिगम्बर जैन आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज ने नारायण सेवा संस्थान में विकलांगता सुधार सर्जरी के लिए देश के विभिन्न राज्यों से आए दिव्यांगजन को आशीर्वचन में कही। उन्होंने कहा कि दुखी, बेसहारा और पीड़ित जन की सेवा ईश्वर की साधना-आराधना का ही मार्ग है। इस दिशा में संस्थान ईश्वरीय कार्य कर रही है, जिसकी झलक देश-विदेश में प्रायः नजर आती है। उन्होंने कर्म बंध से मुक्ति का जिक्र करते हुए कहा कि पूर्वार्जित कर्मों की निर्जरा से ही मोक्ष का मार्ग प्रशस्त होगा। आरंभ में संस्थान-संस्थापक श्रद्धेय कैलाश जी मानव ने आचार्यश्री सहित ससंघ की अगवानी करते हुए संस्थान की 38 वर्षीय सेवा यात्रा का साहित्य श्रीफल के साथ भेंट किया। संस्थान अध्यक्ष सेवक प्रशान्त भैया ने आचार्यश्री का पाद-प्रक्षालन व ससंघ का अभिनंदन करते हुए कहा कि व्यक्ति के जीवन को सफल व सार्थक बनाने का मंत्र लेकर अहर्निश विहार करने वाले आचार्यश्री के पग फेरे से संस्थान और दिव्यांगजन धन्य हो गए। आचार्यश्री ने दिव्यांगजनों के साथ बातचीत की और उनके लिए स्वरोजगारोन्मुखी प्रशिक्षणों का भी अवलोकन कर इसे पीड़ित मानवता के कल्याण का आवश्यक और अद्भु कार्य बताया। इस दौरान ट्रस्ट्री निदेशक देवेन्द्र चौबीसा, विष्णु शर्मा हितैषी, भगवान प्रसाद गौड़, रविश कावड़िया, महिम जैन व जैन समाज के प्रमुख झमकलाल अखावत व सुन्दर लाल लुणदिया भी उपस्थित थे।

भक्ति की महिमा

झीनी-झीनी रोशनी-50

एक दिन हिम्मत करके कैलाश जी उस गांव में पहुँच गए। सीधे पोस्ट ऑफिस गए तो वहां ताला लटका देख कर आश्चर्य में पड़ गए। एक क्षण के लिये तो वे किंकर्तव्यविमूढ़ हो गए मगर अगले ही क्षण स्वयं को सहेजते हुए उन्होंने ताला तुड़वाया तथा अन्दर प्रवेश किया। पूरा डाकखाना अस्त व्यस्त और धूल धूसरित हो रहा था। सबसे पहले डाकखाने की सफाई करवाई। पोस्ट ऑफिस में डाक का अम्बार लगा हुआ था जो डिलेवर नहीं की गई थी। इसी तरह ढेर सारे मनी आर्डर भी पड़े थे। मनी आर्डर के जरिये अन्योदय के पैसे आते थे, ये लोगों तक नहीं पहुंचे थे, पैसे भी यहीं जमा थे। इस डाकखाने का प्रभारी पोस्ट मास्टर गांव में ही रहता था। उसकी छवि और रोबदाब ऐसा था कि हर कोई उससे डरता था। कैलाश जी उसे बुलवा कर पूछताछ करने की सोच रहे थे मगर उसे बुलाने के लिये कोई तैयार नहीं था । कैलाश जी के पास अब स्वयं उसके पास जाने के अतिरिक्त कोई विकल्प नहीं था, वह इस बारे में सोच ही रहे थे तभी एक बन्दूकधारी ने पोस्ट ऑफिस में प्रवेश किया, बड़ी-बड़ी मूंछें, रोबीला व्यक्तित्व, हर कोई उसे देखकर सहम जाता। ज्यूं ही कैलाश जी ने उसकी तरफ देखा, वह भी सहम गया, सोचने लगा यह कौनसी नई विपत्ति आ गई। कैलाश जी उससे कुछ पूछें इसके पहले ही वह बोल उठा -ओम नमः शिवाय। उसके मुँह से बरबस निकल गया ओम नमः शिवाय, इसके साथ ही उसने आगन्तुक से पूछ भी लिया -कहिये कैसे आना हुआ। वह वापस ओम नमः शिवाय बोला और बताया कि वही इस पोस्ट ऑफिस का पोस्ट मास्टर है। उसके इतना कहते ही कैलाश जी को लगा जैसे उनके मन से टनों बोझ उतर गया हो। उन्होंने पोस्ट मास्टर को पास की कुर्सी पर बैठने को कहा और हल्की फुल्की बातें करने लगे ओम नमः शिवाय उसका तकिया कलाम था जिसका वह बात-बात में प्रयोग करता था।

नारायण सेवा संस्थान के संस्थापक - चेयरमैन पूज्य गुरूदेव श्री कैलाश जी 'मानव' का सेवा संस्कारों से पोषित जीवन समाज के लिए अनुकरणीय है। श्री कैलाश जी के निकट रहे वरिष्ठ पत्रकार श्री सुरेश गोयल ने उनके जीवन-वृत को 'झीनी-झीनी रोशनी' पुस्तक में प्रस्तुत किया है।

सुपर स्पेशलिटी हॉस्पीटल वर्ल्ड ऑफ ह्यूमैनिटी

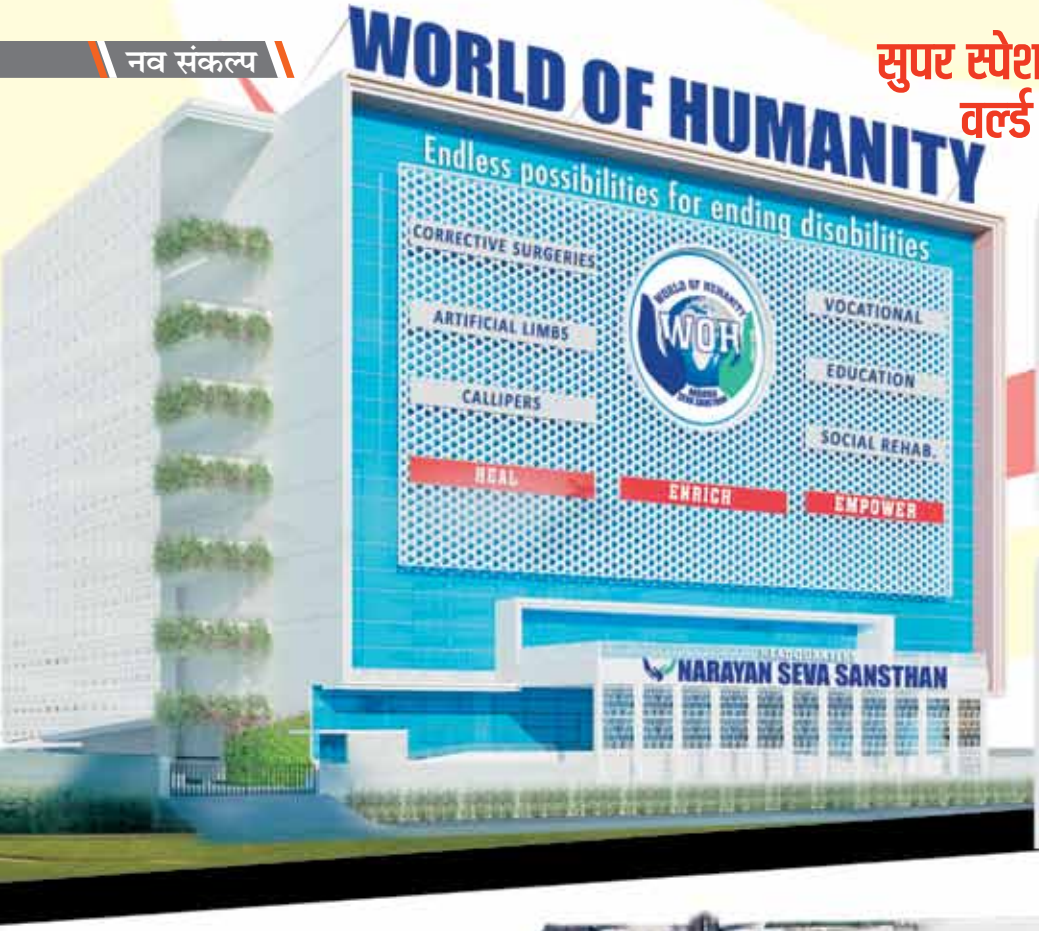

450 बेड का नि:शुल्क सेवा हॉस्पीटल

नि:शुल्क शल्य चिकित्सा, जांचे, ओपीडी

बस स्टेण्ड से मात्रा 700 मीटर दूर

7 मंजिला अतिआधुनिक सर्वसुविधायुक्त

नि:शुल्क कृत्रिम अंग निर्माण कार्यशाला

रेल्वे स्टेशन से 1500 मीटर दूर

निर्माण सहयोगी बनें

पुण्य ईंट-लॉबी-दीवार पर नाम

1,00,000 रू.

सेवा ईंट-पायें पुण्य

51,000 रू.

मानवता ईंट-करूणा भाव से स्वागत

21,000 रू.

नारायण सेवा केन्द्र

महाराष्ट्र

मुम्बई

07073452174, 09529920088
07073474438, मकान नं. 06/103, ग्राउण्ड फ्लोर, ओम मणिकांत सी.एच.एस., लिमिटेड शास्त्री नगर, रोड-1, गोरेगांव पश्चिम मुम्बई-400104

पूणे

09529920093
17/153 मेन रोड, गणेश सुपर मार्केट गोखले नगर, पूणे-16

राजस्थान

जोधपुर

08306004821
मेडती गेट के अंदर, कुचामन हवेली के पास, जोधपुर, राज.-342001

कोटा

07023101172
नारायण सेवा संस्थान, मकान नं.2-बी-5 तलवंडी, कोटा (राज.) 324005

मध्य प्रदेश

ग्वालियर

07412060406, 41 ए ,न्यू शांति नगर, त्रिवेदी नर्सिंग होम के पीछे,नई सडक, लश्कर,ग्वालियर 474001

हरियाणा

चण्डीगढ़

070734 52176
म.नं.-3658,सेक्टर-46/सी,चण्डीगढ़

गुरूग्राम

08306004802, हाउस नं.-1936 जीए,गली नं.-10,राजीव नगर ईस्ट, माता रोड़, सी.आर.पी.एफ. केम्प चौक,गुरुग्राम -122001

हिसार

07023003320,मकान न. 2249, सेक्टर-14,हिसार 125005

वेस्ट बंगाल

कोलकाता

09529920097,
म.न.-पी226, ए ब्लॉक, ग्राउण्ड फ्लोर, लेक टाऊन कोलकाता-700089

पंजाब

लुधियाना

07023101153
50/30-ए, राम गली, नौरीमल बाग भारत नगर, लुधियाना (पंजाब)

उत्तर प्रदेश

प्रयागराज

09351230393, म.न . 78/बी, मोहत सिंह गंज, प्रयागराज -211003

मेरठ

08306004811, 38, श्री राम पैलेस, दिल्ली रोड,नियर सब्जी मंडी, माधव पुरम,मेरठ 250002

लखनऊ

09351230395
551/च/157 नियर केला गोदाम, डॉ. निगम के पास, जय प्रकाश नगर आलम बाग, लखनऊ

(कर्नाटक)

बेंगलुरू

09341200200,नारायण सेवा संस्थान 40 (12) प्रथम फ्लोर, मॉडल हाउस कॉलोनी, अपोजिट समना पार्क, एनआर कॉलोनी, बसवानगुडी, बेंगलुरु-560004

बिहार

पटना

मकान नं.-23, किताब भवन रोड नॉर्थ एस.के. पुरी, पटना-13

गुजरात

सूरत

09529920082,
27, सम्राट टाऊनशिप,सम्राट स्कूल के पास, परवत पाटीया, सूरत

वडोदरा

मो.: 9529920081 म. नं.: 1298, वैकुंठ समाज, श्री अम्बे स्कूल के पास, वाघोड़िया रोड, वडोदरा -390019

अहमदाबाद

मो.: 9529920080 म. नं.: बी 11, बसंत बहार फ्लेट, राजस्थान हॉस्पीटल के पीछे, शाहीबाग, अहमदाबाद 380004

दिल्ली

रोहिणी

08588835718, 08588835719
नारायण सेवा संस्थान,बी-4/232 ,शिव शक्ति मंदिर के पास,सेक्टर-8, रोहिणी, दिल्ली -110085

जनकपुरी, नई दिल्ली

07023101156, 7023101167
सी1/212, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

नारायण निःशुल्क फिजियोथेरेपी सेन्टर

दिल्ली

फतेहपुरी

08588835711
07073452155
6473 कटरा बरियान, अम्बर होटल के पास, फतेहपुरी,दिल्ली-6

शाहदरा

बी-85, ज्योति कॉलोनी, दुर्गापुरी चौक,शाहदरा, दिल्ली-32

उत्तर प्रदेश

हाथरस

07023101169
एलआईसी बिल्डिंग के नीचे, अलीगढ़ रोड, हाथरस

मथुरा

07023101163, नारायण सेवा संस्थान 68-डी, राधिका धाम के पास, कृष्णा नगर, मथुरा 281004

अलीगढ़

07023101169,एम.आई.जी. -48 विकास नगर, आगरा रोड़,अलीगढ़

मोदीनगर

आर्य समाज मॉदिर, सीकरी पेट्रोल पम्प के पास, मोदी बाग के सामने मोदीनगर -201204

बरेली

बी-17, राजेन्द्र नगर, जिंगल बेल्स स्कूल के पास, बरेली

लोनी

09529920084
श्रीमती कृष्णा मेमोरियल नि:शुल्क फिजियोथेरेपी सेन्टर, 72 शिव विहार, लोनी बन्थला, चिरोड़ी रोड (मोक्षधाम मन्दिर) के पास लोनी, गाजियाबाद

गाजियाबाद

(1) 07073474435
184, सेठ गोपीमल धर्मशाला केलावालान, दिल्ली गेट गाजियाबाद

(2) 07073474435
श्रीमती शीला जैन नि:शुल्क फिजियोथेरेपी सेंटर,बी.-350 न्यू पंचवटी कॉलोनी, गाजियाबाद -201009

आगरा

07023101174
मकान नंबर 8/153 ई -3 न्यू लॉयर्स कॉलोनी,नियर पानी की टंकी के पीछे, आगरा -282003 (उ.प्र.)

राजस्थान

जयपुर

09928027946, बद्रीनारायण वैद फिजियोथेरेपी हॉस्पीटल एण्ड रिचर्स सेन्टर बी-50-51 सनराईज सिटी,मोक्ष मार्ग, निवारू झोटवाड़ा,जयपुर

गुजरात

अहमदाबाद

9529920080
ओ.बी. 3/27 गुजरात हाउसिंग बोर्ड खोडियार मॉदिर, 4 रास्ता लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम रोड, बापूनगर, अहमदाबाद-24

राजकोट

09529920083, भगत सिंह गार्डन के सामने आकाशवाणी चौक, शिवशक्ति कॉलोनी, ब्लॉक नं. 15/2 युनिवर्सिटी रोड,राजकोट

तेलंगाना

हैदराबाद

09573938038,लीलावती भवन, 4-7-122/123 इसामिया बाजार, कोठी , संतोषी माता मंदिर के पास,हैदराबाद -500027

उत्तराखण्ड

देहरादून

07023101175, साईं लोक कॉलोनी, गांव कार्बरी ग्रांट,शिमला बाय पास रोड, देहरादून 248007

महाराष्ट्र

मुम्बई

09529920090,ओसवाल बगीची, आरएनटी पार्क,भायन्दर ईस्ट मुम्बई - 401105

मध्य प्रदेश

रतलाम

दत्ता कृपा महात्मा गांधी मार्ग, गली नम्बर-2 एचडीएफसी बैंक के पीछे, स्टेशन रोड, रतलाम - 457001 (म.प्र.)

इन्दौर

09529920087
12, चन्द्रलोक कॉलोनी खजराना रोड, इंदौर-452018

छत्तीसगढ़

रायपुर

07869916950,मीरा जी राव, म.नं.-29/500 टीवी टावर रोड, गली नं.-2, फेस-2 श्रीरामनगर,पो.-शंकरनगर,रायपुर,छ.ग.

हरियाणा

अम्बाला

07023101160,सविता शर्मा, 669, हाऊसिंग बोर्ड कोलोनी अरबन स्टेट के पास, सेक्टर-7 अम्बाला

कैथल

09812003662,ग्राउंड फ्लोर, गर्ग मनोरोग एवं दांतों का हॉस्पिटल, नियर पदमा सिटी माल, करनाल रोड, कैथल

दिव्यांग, अनाथ, असहाय एवं वंचितजन की सेवा में सतत सक्रिय संस्थान के विभिन्न सेवा प्रकल्पों में करें सहयोग

कृपया अपने परिजनों या स्वयं के जन्मदिन, शादी की वर्षगांठ एवं पुण्यतिथि को बनाएं यादगार..

जन्मजात पोलियोग्रस्त दिव्यांगों के ऑपरेशनार्थ सहयोग राशि

ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि	ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि
501 ऑपरेशन के लिए	17,00,000/-	40 ऑपरेशन के लिए	1,51,000/-
401 ऑपरेशन के लिए	14,01,000/-	13 ऑपरेशन के लिए	52,500/-
301 ऑपरेशन के लिए	10,51,000/-	5 ऑपरेशन के लिए	21,000/-
201 ऑपरेशन के लिए	07,11,000/-	3 ऑपरेशन के लिए	13,000/-
101 ऑपरेशन के लिए	03,61,000/-	1 ऑपरेशन के लिए	5,000/-

निर्धन एवं दिव्यांगों को खिलाएं निवाला

आजीवन भोजन/नाश्ता सहयोग मिति (हर वर्ष में एक दिवस 50 दिव्यांग, निर्धन एवं अनाथ बच्चों के लिए भोजन/नाश्ता सहयोग हेतु मदद करें)

नाश्ता एवं दोनों समय भोजन सहयोग राशि	37,000/-
दोनों समय के भोजन की सहयोग राशि	30,000/-
एक समय के भोजन की सहयोग राशि	15,000/-
नाश्ता सहयोग राशि	7,000/-

दुखियों के चेहरों पर लाएं खुशियां

दुर्घटनाग्रस्त एवं जन्मजात दिव्यांगों को दें कृत्रिम हाथ-पैर और सहायक उपकरणों का उपहार

वस्तु	सहयोग राशि (एक नग)	सहयोग राशि (तीन नग)	सहयोग राशि (पाँच नग)	सहयोग राशि (ग्यारह नग)
तिपहिया साईकिल	5,000/-	15,000/-	25,000/-	55,000/-
व्हील चेयर	4,000/-	12,000/-	20,000/-	44,000/-
कैलिपर	2,000/-	6,000/-	10,000/-	22,000/-
वैशाखी	500/-	1,500/-	2,500/-	5,500/-
कृत्रिम हाथ/पैर	5,000/-	15,000/-	25,000/-	55,000/-

गरीब दिव्यांगों को बनाएं आत्मनिर्भर

मोबाइल /कम्प्यूटर/सिलाई/मेहन्दी प्रशिक्षण सौजन्य राशि

1 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि- 7,500/-	3 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि -22,500/-
5 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि- 37,500/-	10 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि -75,000/-
20 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि- 1,50,000/-	30 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि -2,25,000/-

अपने बैंक खाते से संस्थान के बैंक खाते में जमा करें- अपना दान

आप अपना दान सहयोग नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर के नाम से संस्थान के बैंक खातों में सीधे भी जमा करवाकर PAY IN SLIP भेजकर सूचित कर सकते हैं, जिससे दान प्राप्ति रसीद आपको भेजी जा सके।

संस्थान पैन नम्बर AAATN4183F, टैन नम्बर JDHN01027F

STATE BANK OF INDIA	-H.M.Sector-4	SBIN0011406	31505501196
ICICI Bank	-Madhuban	ICIC0000045	004501000829
PUNJAB NATIONAL BANK	-KalajiGoraji	PUNB0297300	2973000100029801
UNION BANK OF INDIA	-UdaipurMain	UBIN0531014	310102050000148
HDFC BANK	358-Post Office Road, Chetak Circle	HDFC0000119	50100075975997

संस्थान को दिया गया दान-सहयोग आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80G के अन्तर्गत 50 प्रतिशत नियमानुसार कर में छूट के योग्य है।

UPI narayanseva@sbi

संस्थान को **paytm** एवं **UPI** के माध्यम से दान देने हेतु इस **QR Code** को स्केन करें अथवा अपने पेमेंट एप में **UPI Address** डालकर आसानी से सेवा भेजे।

अधिक जानकारी के लिए कॉल करें

फोन नं.: +91-294-6622222

वाट्सअप : +91-7023509999

आपके अपने संस्थान का पता

नारायण सेवा संस्थान - 'सेवाधाम', सेवानगर, हिरण मगरी, सेक्टर-4, उदयपुर-313002 (राजस्थान) भारत

संस्थान के दानवीर भामाशाहों का हार्दिक आभार

श्री शांता राम असोदेकर
सौ.कां. शकुंतलाबाई, जलगांव
(महाराष्ट्र)

श्री राजिंदर पाल बंसल एवं
श्रीमती चांद रानी बंसल
मुक्तसर साहिब (पंजाब)

श्री रमेश चन्द्र श्रीवास्तव
श्रीमती अनुराधा
इन्दौर (मध्य प्रदेश)

श्री मनबीर सिंह, श्रीमती प्रेमवती सिंह
मिस प्रीति प्रजापति
दिल्ली

श्री मुल्तानमल
सोनी, जोधपुर
(राजस्थान)

श्री राकेश कुमार अग्रवाल
श्रीमती चंचल अग्रवाल
बरेली (उत्तर प्रदेश)

श्री मांगीलाल विश्वकर्मा
श्रीमती चंद्रकला
इन्दौर (मध्य प्रदेश)

श्री सुरेन्द्र कुमार
सूरी, नोयडा
(उत्तर प्रदेश)

श्री मन्नूलाल साहू
जबलपुर
(मध्य प्रदेश)

श्री शान्ति लाल
सोनी, जोधपुर
(राजस्थान)

श्री लक्ष्मी प्रसाद
गुप्ता, छतरपुर
(मध्य प्रदेश)

स्व.श्रीमती हीरा
सेन, कटनी
(मध्य प्रदेश)

नारायण महावीर प्राकृतिक चिकित्सालय

असाध्य रोगों से ग्रस्त उन महानुभावों को आरोग्य प्रदान किया जा रहा है जो अन्य चिकित्सा पद्धतियों से निराश हो चुके थे तथा इन रोगों को अपनी नियती मानकर अभिशप्त जीवन जी रहे थे। ऐसे ही निराश महानुभावों को संस्थान में पधार कर स्वास्थ लाभ लेने हेतु सादर आमंत्रण है।

नेचुरोपैथी के साथ योगा थेरेपी एवं एडवांस एक्यूपंक्चर थेरेपी

प्रकृति के साथ कुछ हसीन लम्हों को बनाएं यादगार

» पूर्णतः प्राकृतिक वातावरण में प्राकृतिक चिकित्सा विधि से नाना प्रकार के रोगों का इलाज

» चिकित्सालय में भर्ती होने वाले रोगियों की दिनचर्या प्राकृतिक चिकित्सक के निर्देशानुसार निर्धारित होती है

» रोगियों को उनकी स्वास्थ्य समस्याओं के अनुसार आहार-चिकित्सा दी जाती है।

» आवास एवं भोजन की सुव्यवस्था

सम्पर्क करे :+91-294-6622222, 7023509999

Seva Soubhagya, Print Date 1 June, 2023 Registered Newspaper No. RAJBIL/2010/52404 Postal Reg. No. RJ/UD/29-146/2023-2025. Despatch Date 1st to 7th of every month, Chetak Circle Post Office, Udaipur, Published by Sole-Owner, Publisher and Chief Editor Prashant Agarwal from Sevadham, Hiran Magri, Sector-4, Udaipur - 313002 (Raj) Printed at Newtrack Offset Private Limited, Udaipur. Total pages- 24 (No. of copies printed 1,50,000) cost- Rs.5/-